Literacy for a Billion

Movie: Sharmilee
Year: 1971

Song: Aaj madhosh huwa
Lyricist: Neeraj

आज मदहोश हुआ जाए रे
जाए रे जाए रे
आज मदहोश हुआ जाए रे
मेरा मन मेरा मन मेरा मन
बिना ही बात मुस्कुराए रे
मेरा मन मेरा मन मेरा मन
आज मदहोश हुआ जाए रे
मेरा मन मेरा मन मेरा मन

ओ री कली सजा तू डोली
ओ री लहर पहना तू पायल
ओ री नदी दिखा तू दर्पन
ओ री किरन ओढा तू आँचल
एक जोगन है बनी आज दुल्हन हो...
आओ उड़ जाए कहीं बनके पवन हो...
आज मदहोश हुआ जाए रे
मेरा मन मेरा मन मेरा मन
शरारत करने को ललचाए रे
मेरा मन मेरा मन मेरा मन

ए यहाँ हमें ज़माना देखें
तो
आओ चलो कहीं छुप जाए
अच्छा
यहाँ हमें ज़माना देखें
आओ चलो कहीं छुप जाए
भीगा भीगा नशीला दिन है
कैसे कहो प्यासे रह पाए
तू मेरी मैं हूँ तेरा तेरी क़सम हो...
मैं तेरी तू है मेरा मेरी क़सम हो...
आज मदहोश हुआ जाए रे
मेरा मन मेरा मन मेरा मन
शरारत करने को ललचाए रे
मेरा मन मेरा मन मेरा मन

रोम रोम बहे सूर धारा
अंग अंग बजे शहनाई
रोम रोम बहे सूर धारा
अंग अंग बजे शहनाई
जीवन सारा मिला एक पल में
जाने कैसी घड़ी ये आई
छू लिया आज मैंने सारा गगन हो..
नाचे मन आज मेरा छूम छनन हो...
आज मदहोश हुआ जाए रे
मेरा मन मेरा मन मेरा मन
शरारत करने को ललचाए रे
मेरा मन मेरा मन मेरा मन
बिना ही बात मुस्कुराए रे
मेरा मन मेरा मन मेरा मन

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.